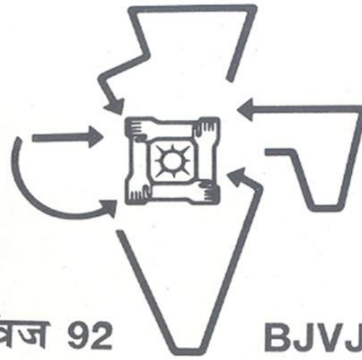




हमारा पानी हमारा जीवन  
विज्ञान प्रदर्शनी



भाजविज 92

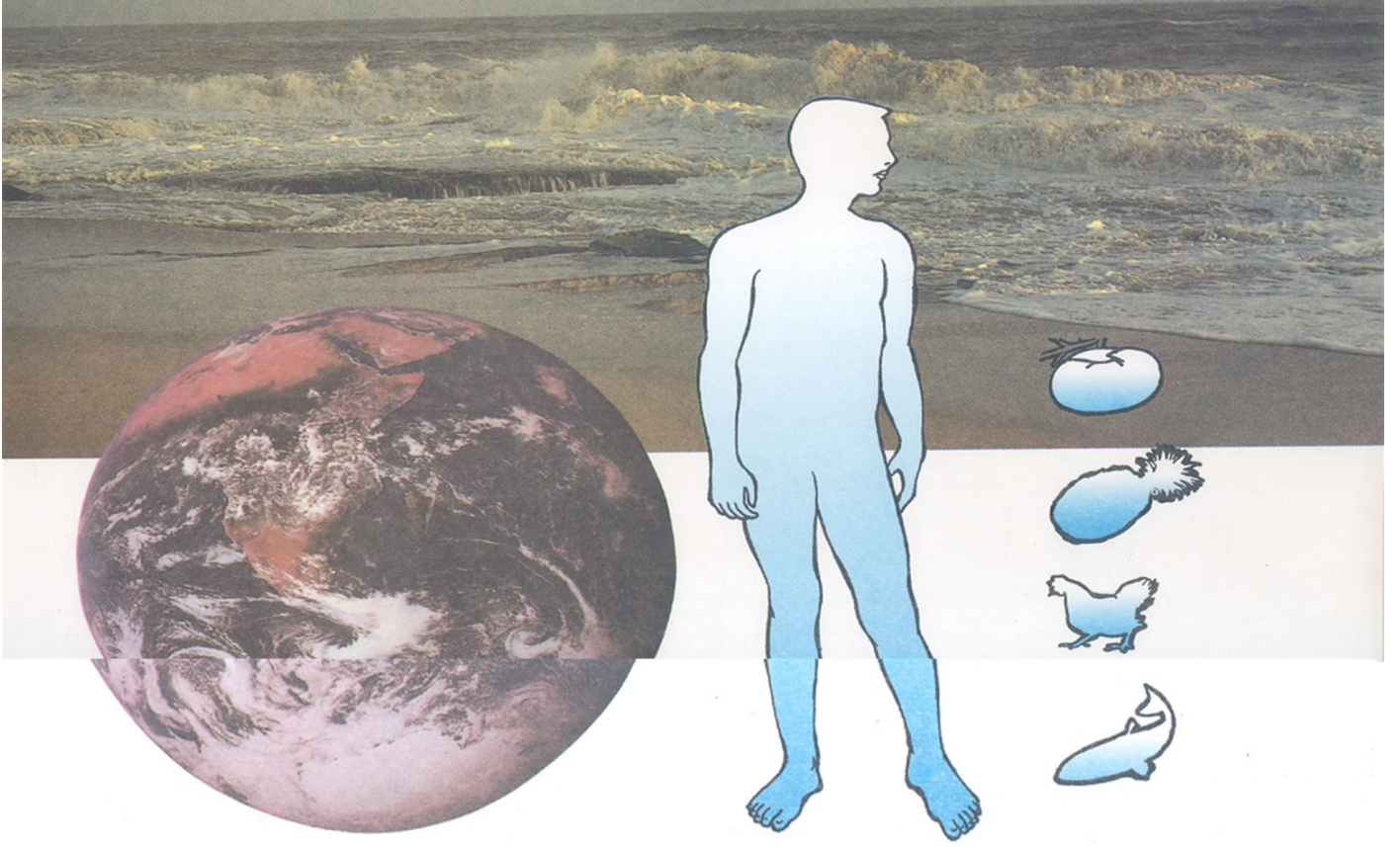
BJVJ 92

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् द्वारा अभिप्रेरित



पुनर्मुद्रण एवं वितरण : विज्ञान प्रसार द्वारा (1995)





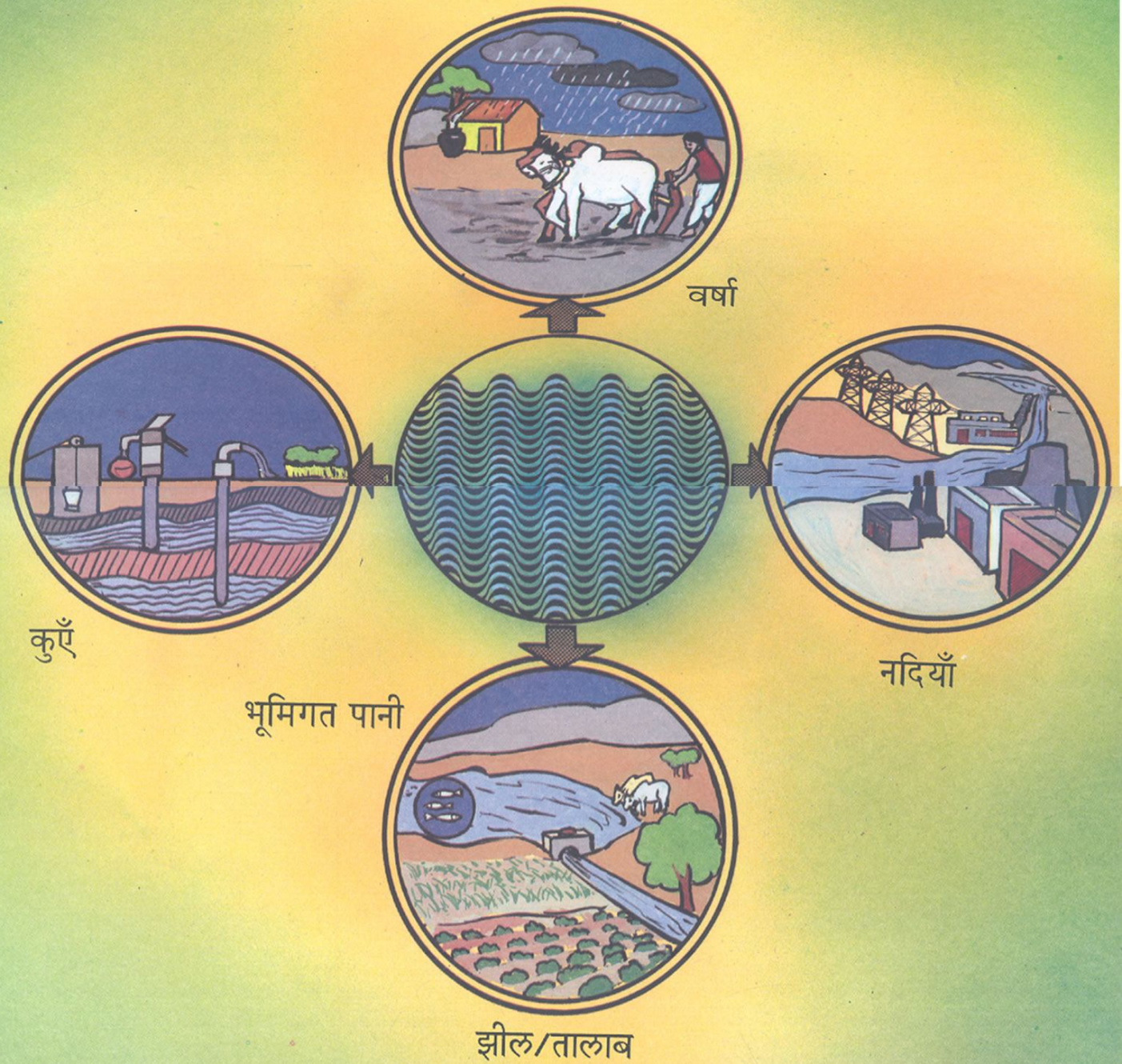
हमारी पृथ्वी की सतह का तीन चौथाई भाग पानी से भरा है। उसमें 97% खारापानी, 2% बर्फ तथा मात्र 1% पानी है। सोचिये। पानी कितना बहुमूल्य है? सभी सजीव पदार्थों में काफी मात्रा में पानी होता है।

अपनी भाषा





## हमारे जल स्रोत



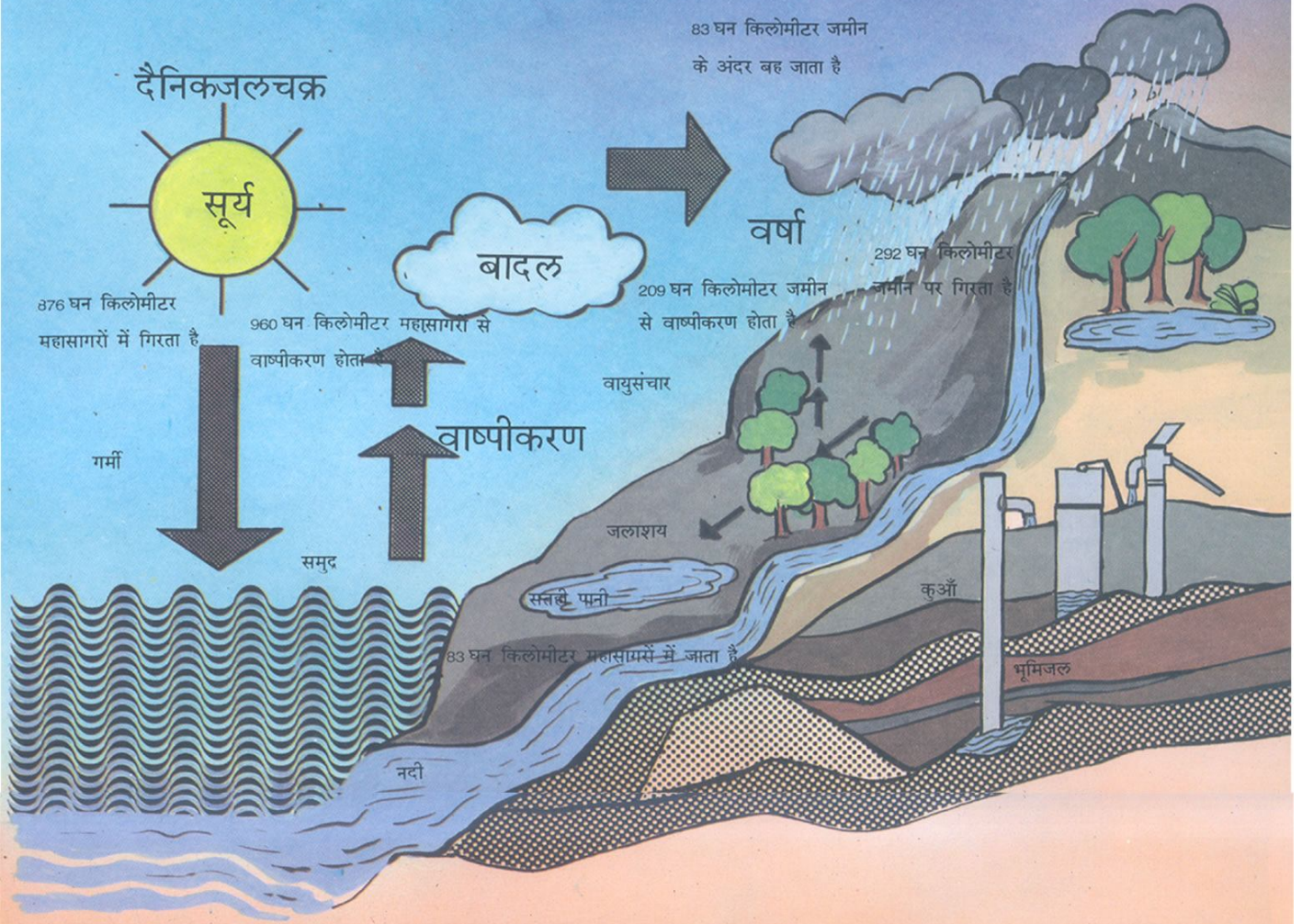
मनुष्य के उपयोग के लिए पानी के स्रोत

अपनी भाषा





## जल चक्र



पानी का स्वरूप एक चक्र में बदलता है, लेकिन पृथ्वी पर कुल पानी की मात्रा समान रहती है ।

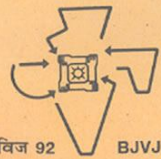
जल का वितरण :

महासागर 97.4%

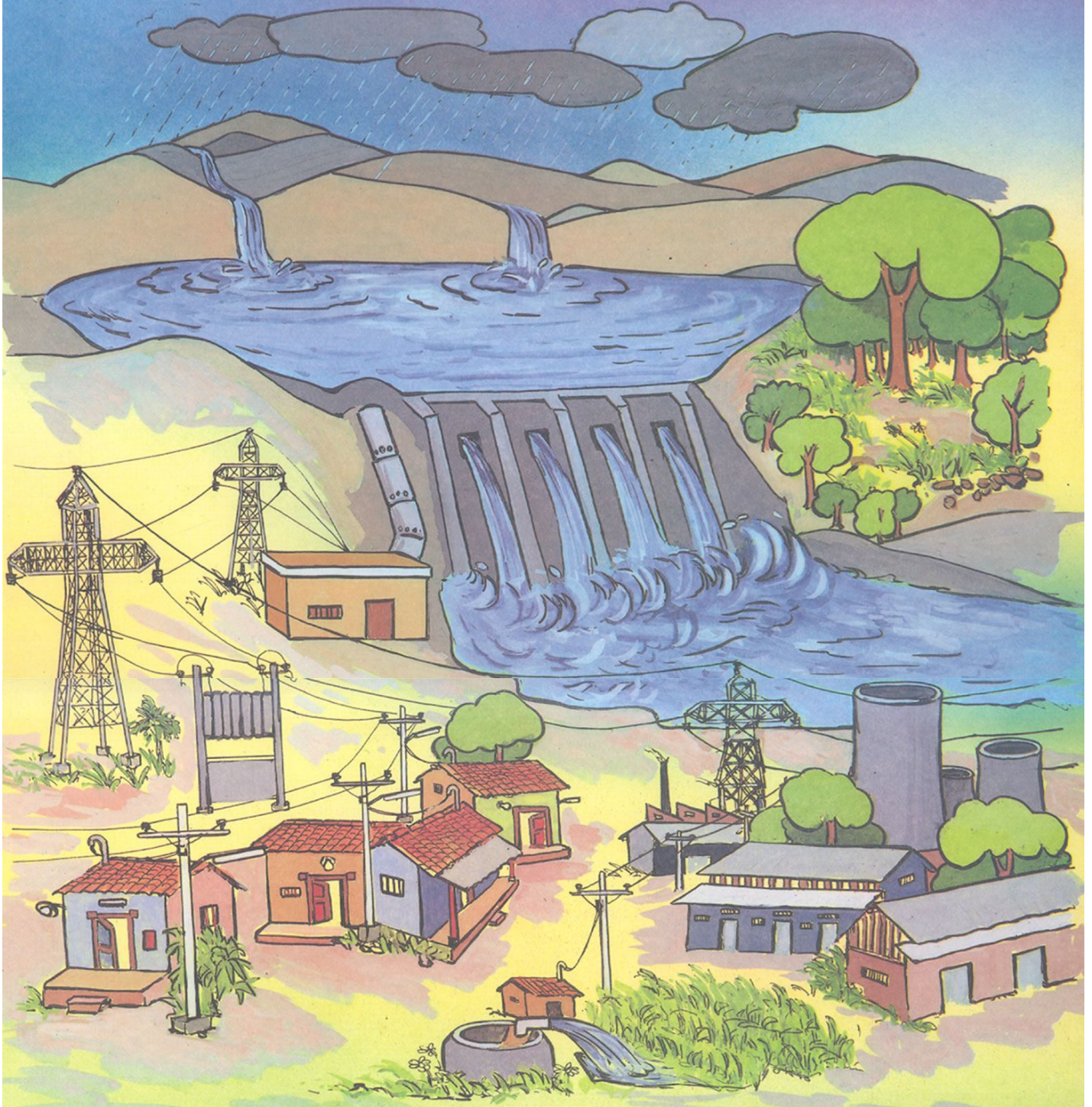
हिम, बर्फ, वाष्प 2.0%

नदी, तालाब, भूमिगत जल 0.6%

अपनी भाषा

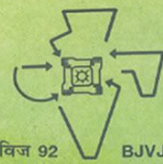




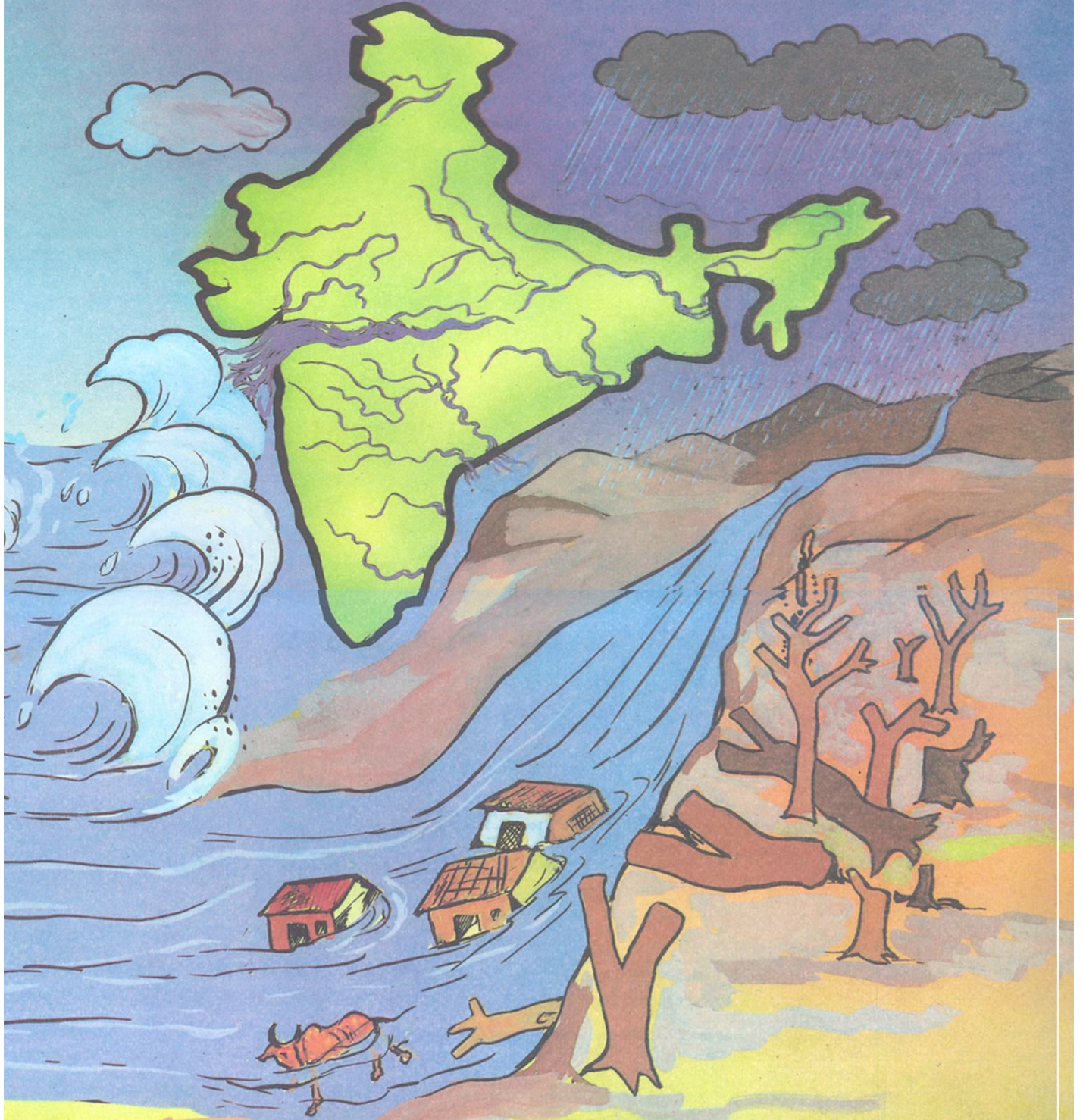


उद्योगों एवं कृषि के लिए पानी आवश्यक है और ऊर्जा उत्पन्न करने का स्रोत भी ।

अपनी भाषा







भारत में औसत सालाना वर्षा 1000 मि.मी. से अधिक है, संसार के अधिकतम वर्षावाले भागों में से एक ।

हम उपयोग करते हैं केवल 10% का और बरबादी 90% की । क्या इसका सदुपयोग सम्भव नहीं ?







हम अपना अमृत तुल्य पानी किस प्रकार प्रदूषित करते हैं ? जब कि हम पृथ्वी पर उपलब्ध कुल पानी का मात्र 1% ही उपयोग कर सकते हैं !

अपनी भाषा





हमें शुद्ध पानी के स्रोतों को विषाक्त होने से रोकना चाहिए

पानी के प्रदूषित होने के कारण एवं स्रोत



घरेलू बरबादी



रासायनिक बरबादी



पशुओं द्वारा बरबादी



कीटाणुनाशक



कृषि द्वारा बरबादी



कीटनाशक बरबादी



रासायनिक खाद



रासायनिक

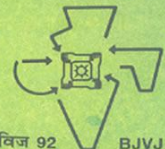
जैविकीय

पानी मुख्यतः दो प्रकार से प्रदूषित होता है ।

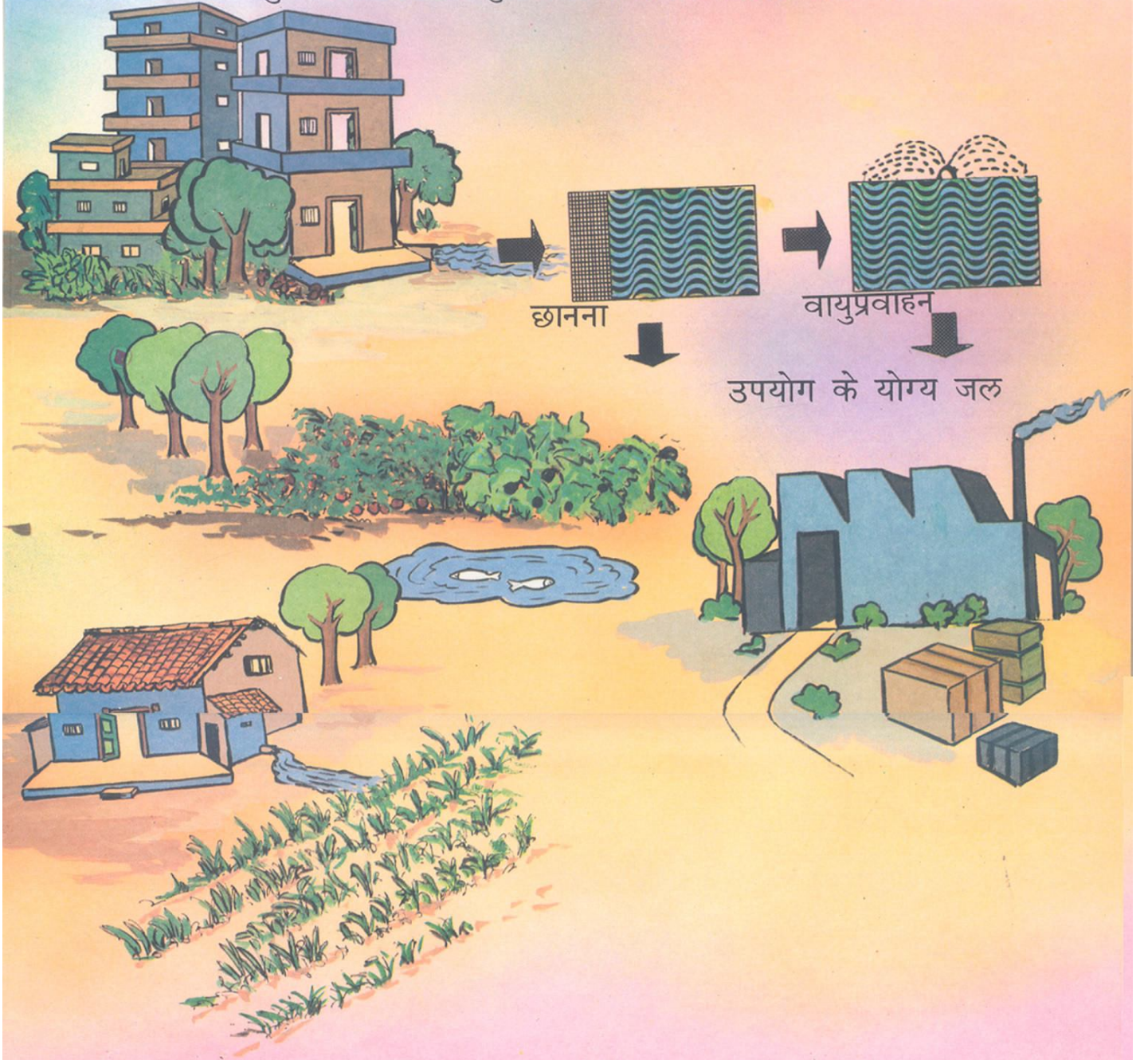
१. जैविकीय प्रदूषण – घरेलू फिजूल खर्ची, कृषि क्षेत्र में बरबादी, पशुओं आदि के द्वारा
२. रासायनिक प्रदूषण – औद्योगिक क्षेत्रों में/कीटनाशक दवाइयों/रासायनिक खादों आदि के द्वारा ।

दोनों प्रकार के प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं और रोगकारक हैं ।

अपनी भाषा





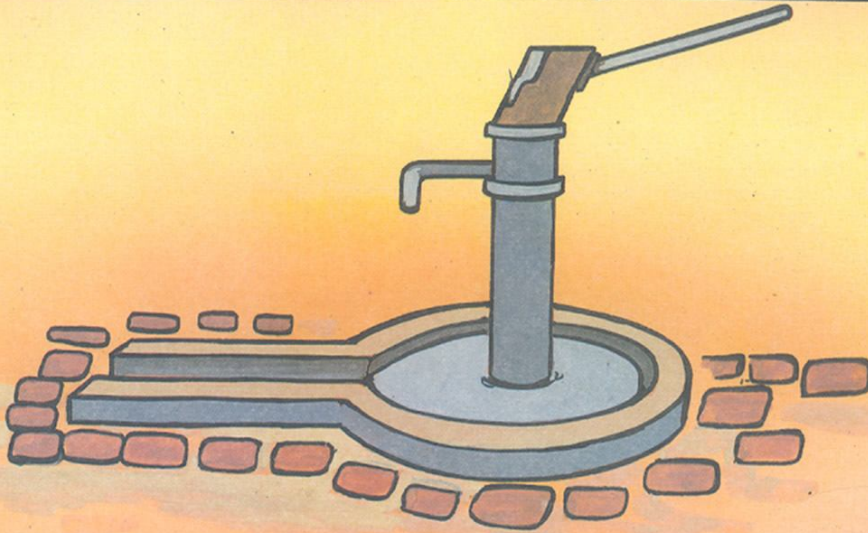
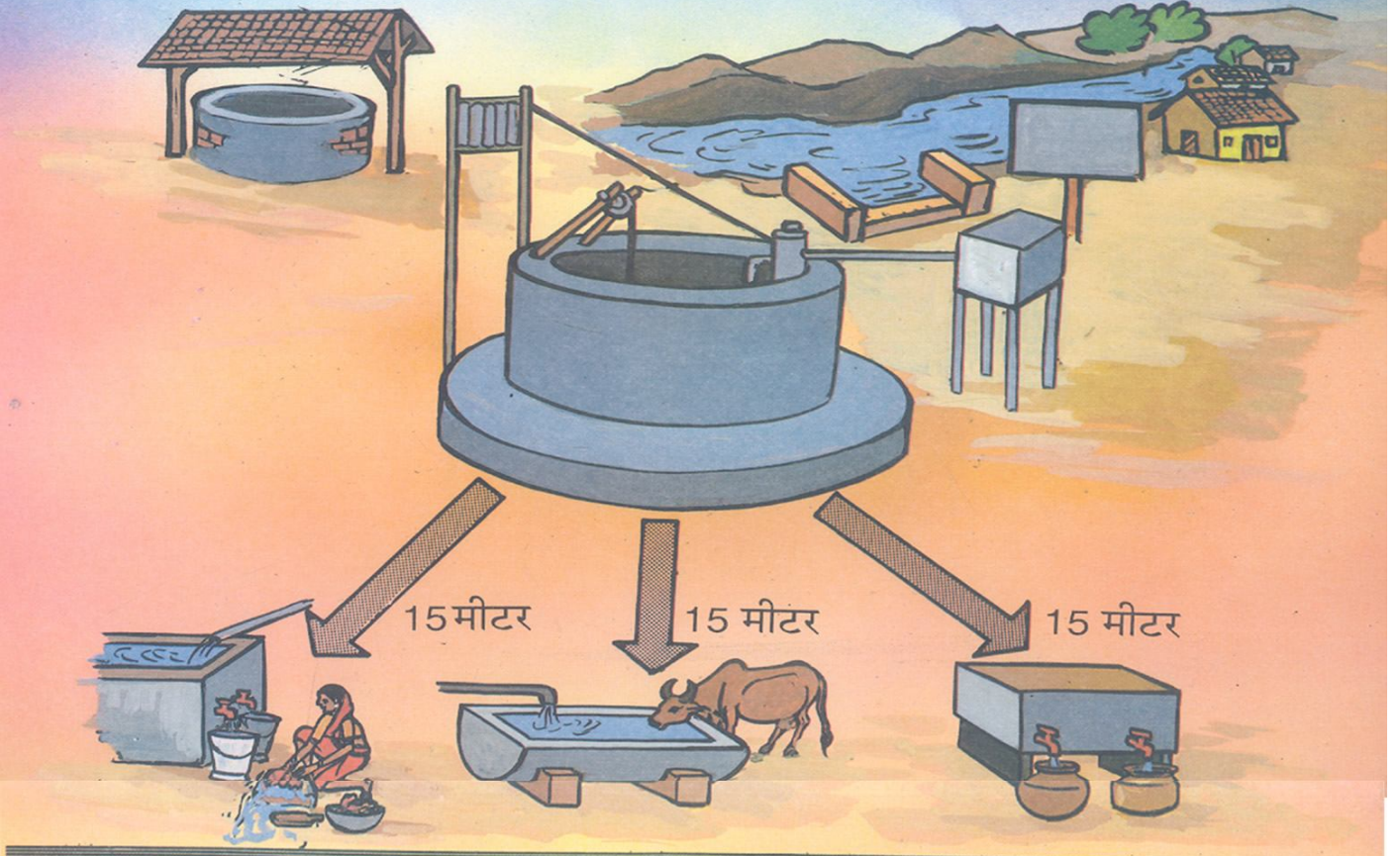


एक बार पानी का उपयोग करने के पश्चात् उसका पुनः उपयोग उन कार्यों में किया जा सकता है, जिनमें कम शुद्ध पानी की आवश्यकता होती है। पानी बचाएँ यह बहुमूल्य है।

पानी का पुनःउपयोग एवं संरक्षण करें।

अपनी भाषा 



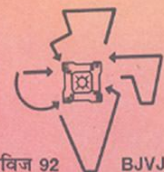


इस प्रकार की सभी प्रक्रियाएँ जल स्रोत से 15मीटर की दूरी पर करें ।

हम पानी का प्रबंधन ठीक प्रकार से करें ।

हमें अपने बहुमूल्य पानी के स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए पूरा ध्यान रखना चाहिए ।

अपनी भाषा

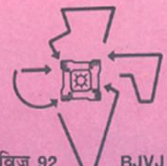






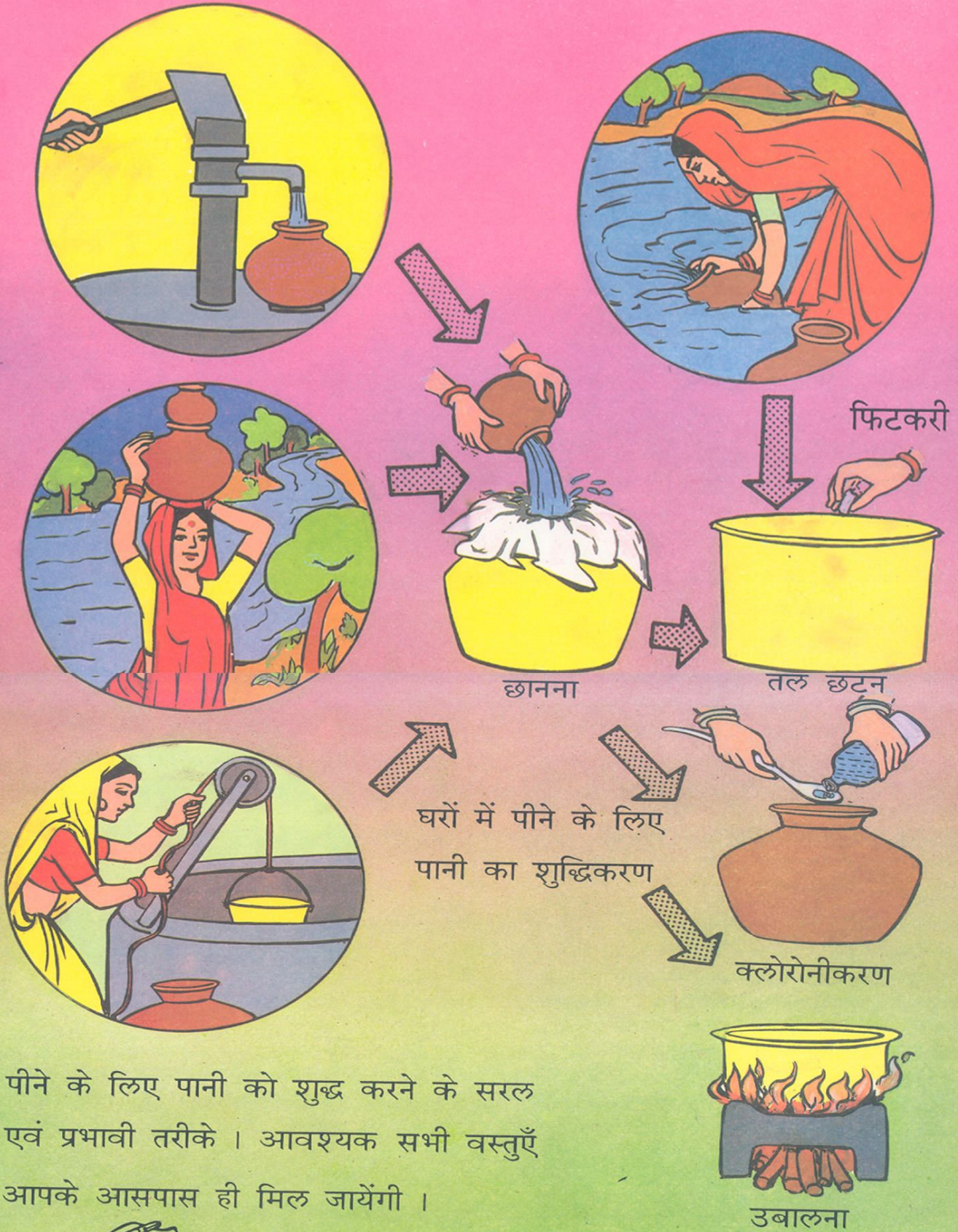
पानी सभी प्राणियों, वृक्षों, पशुओं एवं मनुष्य के जीवन के लिए अत्यावश्यक है ।  
ऊँट भी पानी के बिना दीर्घकाल तक जीवित नहीं रह सकता ।

अपनी भाषा





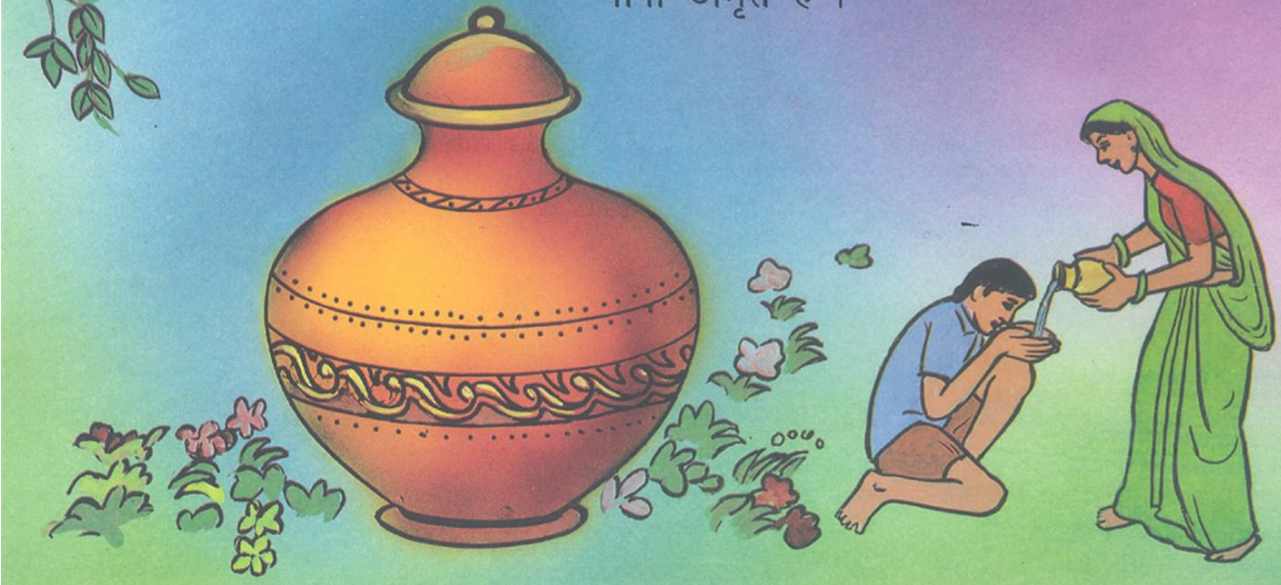
# घरों में पीने के पानी का शुद्धिकरण



पीने के लिए पानी को शुद्ध करने के सरल एवं प्रभावी तरीके । आवश्यक सभी वस्तुएँ आपके आसपास ही मिल जायेंगी ।

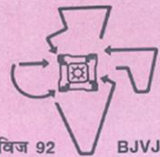
अपनी भाषा





फिर भी हम 90% जीवनरक्षक पानी को व्यर्थ बहने देते हैं तथा शेष स्वच्छ पानी को अज्ञानतावश प्रदूषित कर देते हैं ।

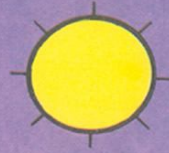
अपनी भाषा



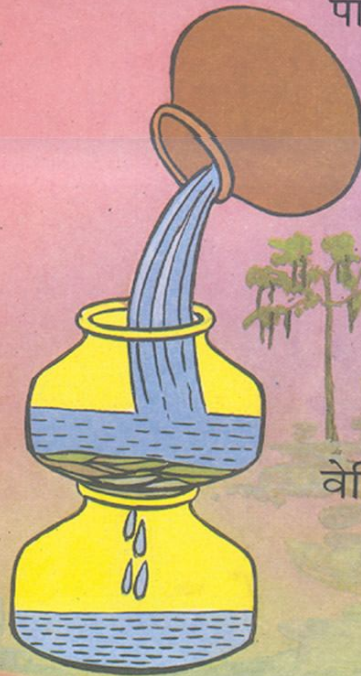
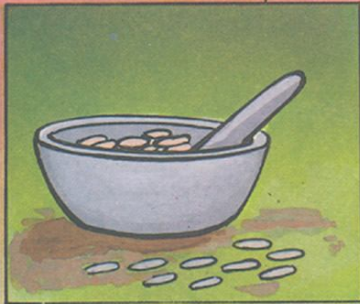




सहजन फली



पारदर्शक प्लास्टिक बोतल



वेटिवेरिया घास

एक लीटर मिट्टी मिश्रित जल में 1.5 मि. ग्राम पिसी हुई सहजन की फली का चूर्ण मिलाकर इसे वेटिवेरिया घास द्वारा छान कर शुद्ध किया जा सकता है। पानी के जीवाणु नष्ट करने के लिए उसे दो दिन तक ताँबे के बर्तन में रखिए अथवा 12 घण्टे तक पारदर्शक प्लास्टिक बोतल में भर कर धूप में रखिए।

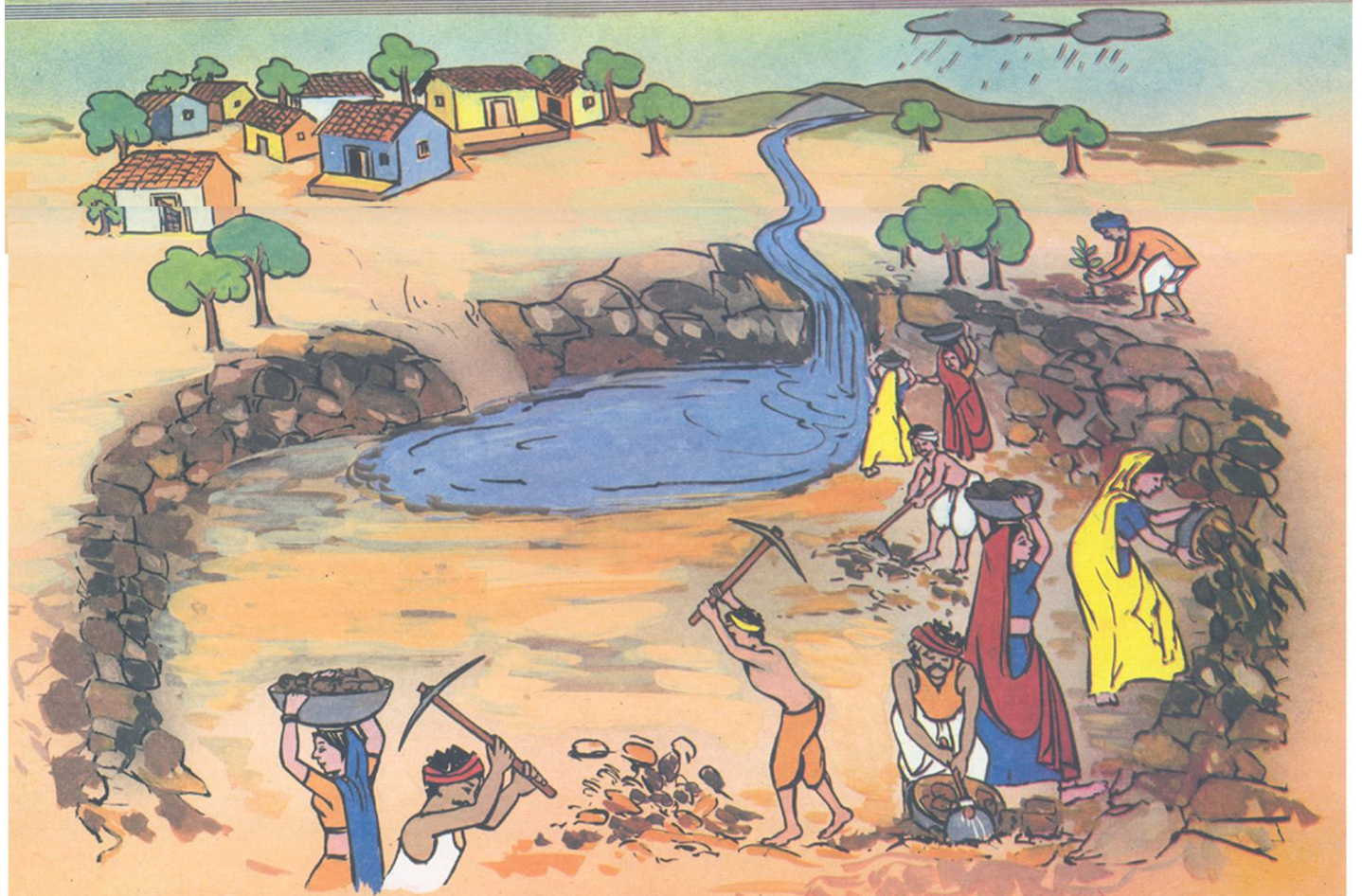
अपनी भाषा





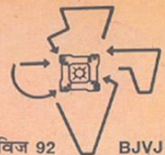


पीने के लिए  
वर्षा का जल



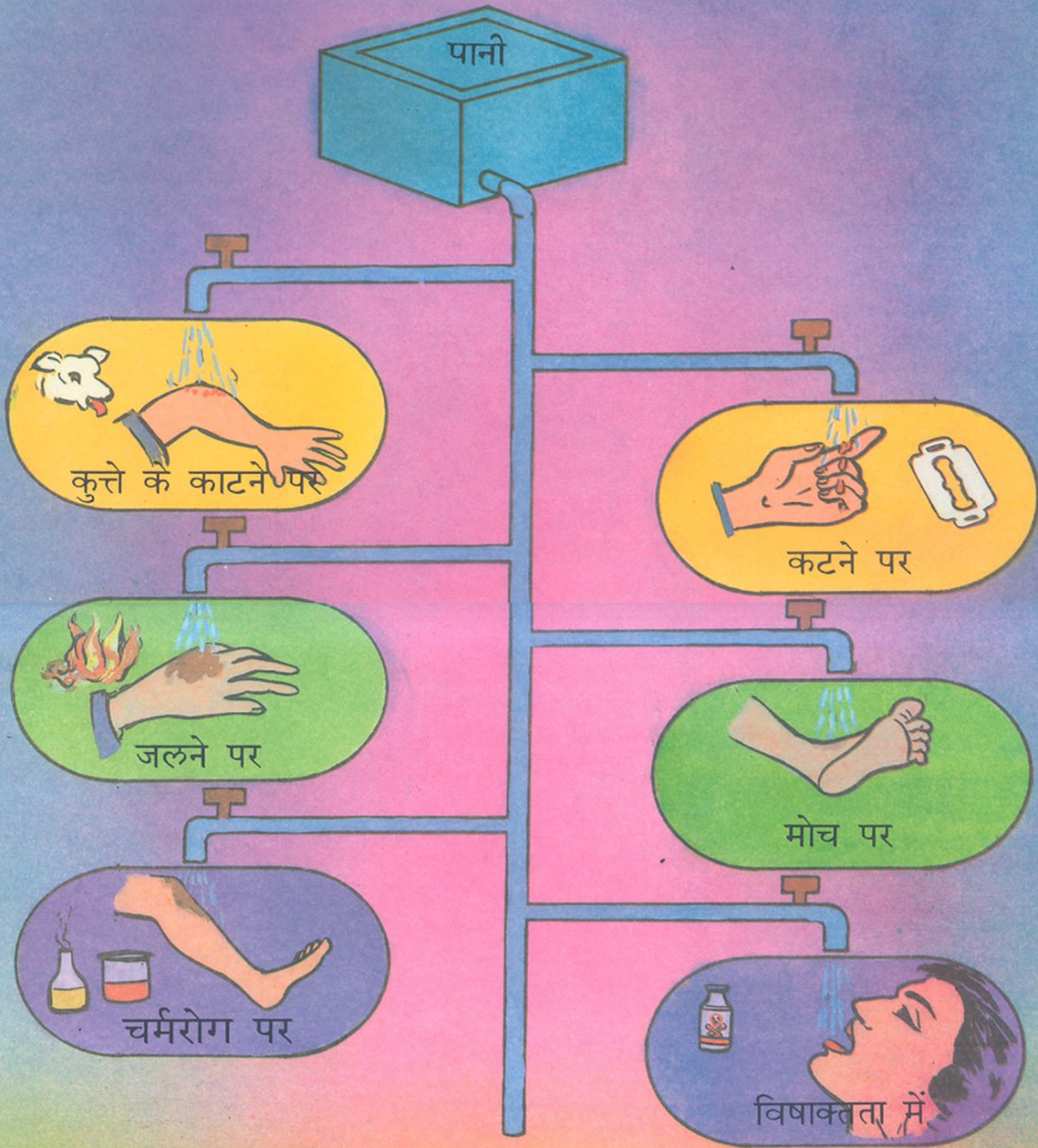
वर्षा और नदी के जल का, गाँव में ही तालाब, जलाशयों और बाँधों द्वारा संग्रह करना ।

अपनी भाषा



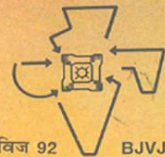


## पानी औषधि के रूप में



सामान्य व्याधियों में स्वच्छ पानी प्राथमिक औषधि के रूप में प्रयोग में लिया जा सकता है ।

अपनी भाषा







प्रदूषित पानी रोगों का सबसे बड़ा स्रोत है ।

पोलियो

मियादी बुखार

हैजा

चर्म रोग

पीलिया और अन्य रोग

एक बार का प्रदूषित पानी हम सभी के जीवन को अत्यंत हानि पहुँचाता है ।

सम्पूर्ण बीमारियों में से 60 % बीमारियाँ, प्रदूषित पानी के कारण होती हैं । प्रतिवर्ष 10 लाख भारतीय बच्चे इनके कारण मरते हैं ।



चर्मरोग



हैजा

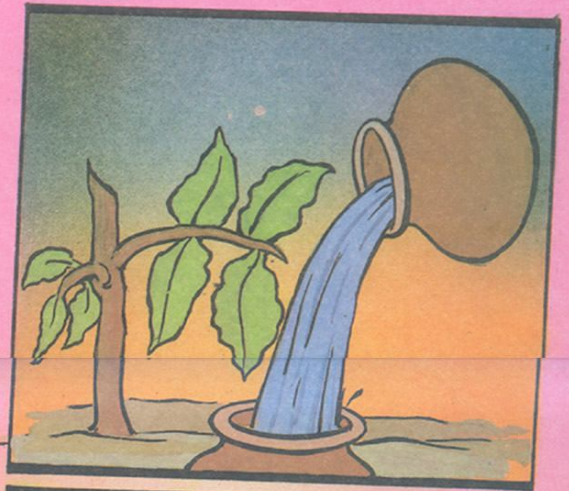


पोलियो

अपनी भाषा







छिड़कनेवाली पद्धति

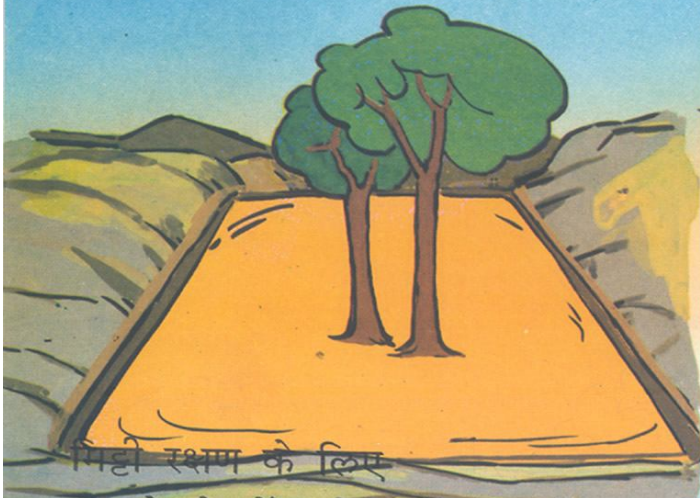
सिंचाई के लिए सबसे अधिक (70 %) उपयोग में आता है ।

कृषि की उपयुक्त विधियाँ अपनाकर पानी का संरक्षण करें । पानी का दुरुपयोग रोकें ।

अपनी भाषा







मिट्टी रक्षण के लिए  
माइक्रो केचमेंट के चारों ओर मेंड़



पानी सोखने के लिए  
मिट्टी को भुरभुरा बनाना



वाष्पीकरण कम करने के लिए  
मिट्टी को ढँकना



भोजन, ईंधन एवं चारे के लिए  
विकसित वृक्ष

अत्यन्त कम वर्षा वाले क्षेत्रों में थोड़े से प्रयत्न द्वारा वृक्ष उगाये जा सकते हैं ।  
एक ओर ढलवाँ विस्तृत भूखण्ड, कुछ वृक्षों का पोषण करने योग्य, काफी पानी  
इकट्ठा कर सकते हैं, ऐसा भूक्षेत्र माइक्रो केचमेंट कहलाता है ।

अपनी भाषा







अपरक्षित मिट्टी बंध बाँधना

बंध बाँधना

कृषि क्षेत्र पानी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कृषि की उपयुक्त विधियों से अपने पानी का संरक्षण करें। पानी का दुरुपयोग रोकें।



बंध बाँधना

अपनी भाषा

